त्रिशूल रूप धारिणीम झुंझुनू निवासिनीम

त्रिशूल रूप धारिणीम , झुंझुनू निवासिनीम ,
महासती नारायणीम , नमामि सत-शिरोमणिम ।

रण प्रियाम बिरांग नाम गुर सहाय नन्दिनीम ,
सौभद्र-वाम अंगिनीम , नमामि सत-शिरोमणिम ।
त्रिशूल रूप धारिणीम , झुंझुनू निवासिनीम ,
महासती नारायणीम , नमामि सत-शिरोमणिम ।

भक्त-वतसलाम सतिम , स्वास्ति रूप धारिणीम ।
सौभाग्य-वर प्रदायनीम , नमामि सत-शिरोमणिम ।
त्रिशूल रूप धारिणीम , झुंझुनू निवासिनीम ,
महासती नारायणीम , नमामि सत-शिरोमणिम ।

गोयल सुताम , पति व्रताम , यवन दल विनाशिनीम ,
शत्रु-दाल विदारिणीम , नमामि सत-शिरोमणिम ।
त्रिशूल रूप धारिणीम , झुंझुनू निवासिनीम ,
महासती नारायणीम , नमामि सत-शिरोमणिम ।

त्रिशूल रूप धारिणीम , झुंझुनू निवासिनीम ,
महासती नारायणीम , नमामि सत-शिरोमणिम ।

भजन गायन एवं संगीत विषय चयन - मधुकर
अभिनय - सौरभ

स्वर : सौरभ मधुकर

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1567/title/trishool-roop-dharinim-jhunjhunu-niwasinim-Rani-Sati-dadi-bhajan-with-Hindi-lyrics-by-Saurabh-Madhukar

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |